

नाट्यम् 91-94

रामजी उपाध्याय का नाट्य साहित्य



नाट्यम्

91-94

रामजी उपाध्याय का नाट्य साहित्य

प्रधान संपादक
राधावल्लभ त्रिपाठी

संपादक
आनन्दप्रकाश त्रिपाठी

प्रबन्ध संपादक
सञ्जय कुमार

संपादक मण्डल
नौनिहाल गौतम, रामहेतु गौतम
शशिकुमार सिंह, किरण आर्या

प्रकाशक
नाट्य परिषद्, संस्कृत विभाग
डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय) सागर (म.प्र.)

नाट्यम् 91-94, अक्टूबर 2019-सितम्बर 2020

रंगमंच एवं सौन्दर्यशास्त्र की पूर्वसमीक्षित त्रैमासिक शोधपत्रिका
रामजी उपाध्याय का नाट्य साहित्य (शताब्दी स्मरण विशेषांक)

ISSN : 2229-5550

UGC Approved Journal Sr. No. 41002

नाट्य परिषद् (पंजीकरण क्र. 100066)

संस्कृत विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

दूरभाष-फैक्स (कार्यालय) 07582-264366 पिन-470 003

Natyam : A Quarterly Journal of theatre and aesthetics
published by Natya Parisad. Deptt. of Sanskrit,
Doctor Harisingh Gour University, Sagar,
Madhya Pradesh-Pin-470 003. India.
Phone-Fax (off.) : 07582-297149

सदस्यता शुल्क :

विशेषांक - 200/- रु.

प्रत्येक अंक - 25/- रु., वार्षिक - 100/- रु.

आजीवन (प्रति व्यक्ति) - 1000/- रु.

आजीवन (प्रति संस्था) - 5000/- रु.

इस अंक का मूल्य - 200/- रु.

यह शुल्क मनीआर्डर, चेक या नगद दिया जा सकता है
जो नाट्य परिषद्, सागर के नाम देय होगा।

पत्रव्यवहार :

प्रो. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी

अध्यक्ष, संस्कृत विभाग

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.) 470003

e-mail : sanskritsagar1946@gmail.com, Mob : +919425656284

© सर्वाधिकार सुरक्षित

मुद्रण : अजय जैन, अमन प्रकाशन नमक मंडी,
कटरा, सागर (म.प्र.) मो. 9826434225

नाट्यम् में प्रकाशित नाटकों के अनुवादों/रूपान्तरों या किसी भी अन्य सामग्री की किसी भी रूप में प्रस्तुति
के लिए नाट्य परिषद् से अनुमति प्राप्त करना आवश्यक है।

प्रकाशित रचनाओं की रीति-नीति अथवा विचारों से नाट्य परिषद्, संपादक या संपादक मंडल की सहमति
अनिवार्य नहीं है।

सूचना - आजीवन ग्राहकों को डाक व्यय 250 रु. (दो सौ पचास रुपये मात्र) पर नाट्यम् के उपलब्ध पुराने
अंक भी निःशुल्क देय हैं।

अनुक्रम

1. गुरुस्मरण राधावल्लभ त्रिपाठी	7
2. डॉ. रामजी उपाध्याय : संस्कृत और संस्कृति के परम हंस श्यामसुंदर दुबे	17
3. साहित्य-संस्कृति के अनन्य उपासक रामजी उपाध्याय सज्जय कुमार	24
4. सीताभ्युदय कथा राम सुमेर यादव	31
5. सीताभ्युदयम् में लोकसंस्कृति वत्सला	36
6. सीताभ्युदयम् : विविध पक्ष रूपा कुमारी	49
7. कैकेयीविजयम् में नारी चेतना जयप्रकाश नारायण	60
8. कैकेयी का राजधर्म सुकदेव वाजपेयी	68
9. कैकेयी-विजय शिल्पा सिंह	73
10. यशस्विनी कैकेयी कृष्णा जैन	80
11. कैकेयीविजयम् : नाट्यशास्त्रीय समीक्षा कविता कुमारी मीणा	87
12. सामाजिक समरसता की कृति : शम्बूकाभिषेक रमाकान्त पाण्डेय	93
13. चराचरवृन्दैर्लब्धं पदनिर्वाणम् रामहेत गौतम	100
14. संस्कृत काव्य परंपरा में शम्बूकाभिषेकम् नाटक ठाकुर शिवलोचन शाण्डिल्य	113
15. शम्बूकाभिषेकम् में सामाजिक जन-जीवन जहाँआरा	120
16. सहकारी सरोकार का रंग लोक : अशोक-विजयम् अजय कुमार मिश्र	124
17. अशोक-विजयम् में विश्वबन्धुत्व एवं अहिंसा-भावना यशदेव आर्य	137

18. नन्दगौतमीयम्: एक विवेचन शालिनी सक्सेना	143
19. नवीन उद्भावनाओं का अतिरंजित चित्रण और विश्वविजय नाटक आनन्दप्रकाश त्रिपाठी	151
20. नन्दगौतमीयम् में अलंकार-योजना सन्दीप कुमार यादव	158
21. मानवीय उत्थान में मालवीय जी की भूमिका : आचार्य रामजी उपाध्याय की दृष्टि में किरण आर्या	162
22. आचार्य रामजी उपाध्याय के नाटकों में जीवन दृष्टि अर्चना जोशी	169
23. आचार्य रामजी उपाध्याय के नाटकों में मानव-मूल्य रामाश्रय राजभर	177
24. रामजी उपाध्याय के नाटकों में लोकहित की प्रतिष्ठा नौनिहाल गौतम	185
25. रामजी उपाध्याय के नाटकों में लोकहित चिन्तन प्रभातकुमार सिंह	190
26. रामजी उपाध्याय के नाटकों की दार्शनिक समीक्षा रवीन्द्र कुमार पंथ	196
27. रामजी उपाध्याय के नाटकों में गंगा माहात्म्य निकिता यादव	202
28. रामजी उपाध्याय के नाटकों में रूढ़ियों का निराकरण प्रभाशंकर शुक्ल	208
29. रामजी उपाध्याय के नाटकों में रस पूनम यादव	214
30. रामजी उपाध्याय के नाटकों में नायक-नायिका अरुण कुमार निषाद	219
31. रामजी उपाध्याय के नाटकों में रीति-विचार शिवपूजन चौरसिया	225
32. रामजी उपाध्याय के नाटकों में औचित्य नीरज कुमार	233
33. नन्दगौतमीयम् में विश्वशान्ति मैत्रयी कुमारी	241
34. रामजी उपाध्याय के नाटकों में भाषिक सौन्दर्य सरोज कौशल	245
● लेखकों के पते	254